बी.एच.आई.सी.-103

कला स्नातक
इतिहास (ऑनर्स) (बी.ए.एच.आई.एच.) और
चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम मेजर (बी.ए.एफ.एच.आई.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2025 और जनवरी 2026

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.आई.सी.-103

भारत का इतिहास-II

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.एच.आई.सी.-103 : भारत का इतिहास-II
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
2025-2026

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए **3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)** करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.एच.आई.सी.-103 : भारत का इतिहास-II** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में **वर्णनात्मक श्रेणी** (DCQs) के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में **मध्यम श्रेणी** (MCQs) के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में **लघु श्रेणी** (SCQs) के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, ऐतिहासिक लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्रीय कार्य जमा करने हेतु निर्देश:

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है **आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।**

यह सत्रीय कार्य उन विद्यार्थियों के लिए है जिन्होंने जुलाई 2025 और जनवरी 2026 के सत्र में प्रवेश लिया है। आपको सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार जमा करवाना होगा :

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2025 सत्र के लिए	31 मार्च 2026	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2026 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2026	

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

अन्य सत्रीय कार्यों की तरह आपके यह सत्रीय कार्य भी अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक** को जमा कराना होगा। आपका क्षेत्रीय केन्द्र आपको ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा भी प्रदान कर सकता है। इसके लिए आप अपने क्षेत्रीय केन्द्र की वेबसाइट पर देखें कि आपके केन्द्र में ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा उपलब्ध है अथवा नहीं।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक **विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली** को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।
उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा
ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ लिखें और जिन बिन्दुओं पर आप विशेष बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित करें** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनााओं के साथ,

इतिहास संकाय

बी.एच.आई.सी.-103 : भारत का इतिहास-II
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BHIC-103**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.एच.आई.सी. -103 /ए.एस.एस.टी./TMA/2025-26**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित हैं। आपको तीनों भागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1) सातवाहन कौन थे? गौतमीपुत्र शातकर्णी के संदर्भ में सातवाहनों पर चर्चा कीजिए। 20

2) 200 बी.सी.ई. से 300 सी.ई. के बीच भारत के स्थल व्यापार मार्गों पर एक नोट लिखिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

3) गुप्त साम्राज्य के विस्तार के लिए समुद्रगुप्त द्वारा किये गये प्रयासों की चर्चा कीजिए। 10

4) हर्ष एवं पुलकेशी II के मध्य संघर्ष पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

5) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिएः 10

क) जूनागढ़ प्रस्तर अभिलेख

ख) स्कंदगुप्त

ग) पल्लव

घ) कन्नौज के मौखरी

सत्रीय कार्य - III

निम्नलिखित लघु श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

6) 6–13वीं शताब्दी के दौरान उत्तर भारत में शिल्प उत्पादन के संगठन के विभिन्न रूपों की जाँच कीजिए। 6

7) प्राचीन भारतीय साहित्य के महत्व की चर्चा कीजिए। 6

8) पल्लवों के अधीन मंदिर वास्तुकला पर चर्चा कीजिए। 6

9) प्राचीन भारत में धातु विज्ञान की उपलब्धियों पर चर्चा कीजिए। 6

10) वन एवं वनवासियों के प्रति अर्थशास्त्र के दृष्टिकोण की जाँच कीजिए। 6